उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 05 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(12/13)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास कार्यालय में इंडोनेशिया के जनप्रतिनिधियों के शिष्टमण्डल ने श्री आई नियोमन बुडितमा के नेतृत्व में शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने भारत में श्रम, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से सम्बन्धित नीतियों एवं योजनाओं के साथ–साथ उत्तराखण्ड में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उनके क्रियान्वयन आदि से सम्बन्धित व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने इण्डोनेशिया के शिष्टमण्डल का उत्तराखण्ड में स्वागत करते हुए बताया कि उत्तराखण्ड में पर्यटन, ऊर्जा, वैकल्पिक ऊर्जा, जैविक उत्पाद, हस्तशिल्प, हस्तकला, औषधीय पादप के क्षेत्र में असीम सम्भावनाएँ हैं। राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत में ऐलोपैथी के साथ–साथ आयुष (AYUSH), जिसमें आयुर्वेद, योगा, नैचेरोपैथी और होम्योपैथी सम्मिलित है, पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमण्डल को उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण एवं ऋषिकेश की गंगा आरती में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

प्रतिनिधिमण्डल में Shri I Gusti Putu Budiarta, Shri I Gede Suamba, Shri I Ketut Mandia, Shri I Kadek Setiawan, Shri I Wayan Rawan Atmaja, Shri Tjokorda Raka Kerthyasa, Smt. Dra. Utami Dwi Suryadi, Shri Bagus Suwitra Wirawan, Shri I Wayan Kari Subali व Shri Made Arini शामिल थे।

इस अवसर पर सचिव श्री अमित नेगी, डॉ. भुपिन्दर कौर औलख एवं श्री नितेश झा भी उपस्थित थे।

देहरादून 05 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(12/12)**

दिव्यांगो को मुख्यमंत्री आवास पर जाने से रोके जाने से सम्बंधित विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों के सम्बंध में मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी श्री जे0सी0खुल्बे ने बताया कि दिव्यांगो को मुख्यमंत्री आवास पर आने से कभी रोका नही गया बल्कि दिव्यांगो के प्रतिनिधिमण्डल को सम्मान के साथ शुक्रवार, 1 दिसम्बर, 2017 को मुख्यमंत्री आवास स्थित कार्यालय बुलाया गया तथा उनकी मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से विस्तार से वार्ता भी हुई। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र द्वारा उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति उन्हें आश्वस्त भी किया गया था। यही नहीं रविवार 3 दिसम्बर को मा0 मुख्यमंत्री के गोरखपुर भ्रमण के फलस्वरूप दिव्यांगो को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाने के बजाय उनके विशेष कार्याधिकारी श्री धीरेन्द्र सिंह पंवार स्वंय दिव्यांग प्रतिनिधियों से भेंट करने गये तथा उनकी समस्याओं से मुख्यमंत्री जी को अवगत कराने का मौके पर ही उन्हें आश्वासन दिया था।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र दिव्यांगो की समस्याओं के प्रति गम्भीर है, मुख्यमंत्री आवास कार्यालय पर सभी लोग मुख्यमंत्री से मिलते है, तथा सभी की समस्याओं से अवगत होकर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र उनके समाधान के लिये आवश्यक निर्देश भी देते है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 05 दिसम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(12/11)

माँ, मातृभूमि व मातृभाषा का सदैव सम्मान करें: उपराष्ट्रपति

- **उपराष्ट्रपति श्री एम. वैंकैया नायडू, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे।**
- **राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल, मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।**

उपराष्ट्रपति श्री एम. वैंकैया नायडू ने कहा कि जीवन में कभी भी अपनी मां, अपनी जन्मभूमि, अपनी मातृभाषा व अपने मातृदेश को नही भूलना चाहिए। मातृभाषा, नेत्र के समान होती है जबकि विदेशी भाषा चश्मे की तरह होती है। दूसरी भाषा सीखने में कोई बुराई नहीं है परंतु अपनी मातृभाषा का हमेशा आदर करना चाहिए। मातृभाषा में जो भावनाएं व्यक्त की जा सकती हैं वे दूसरी भाषाओं में नहीं की जा सकती है। प्राथमिक शिक्षा, बच्चों की मातृभाषा में ही दी जानी चाहिए। उपराष्ट्रपति मंगलवार को स्वामीराम हिमालयन विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने दीक्षांत उपाधि पाने वाले छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत व अनुशासन से ही सपने साकार होते हैं। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। हमें अपनी संस्कृति व परम्पराओं पर गर्व होना चाहिए। भारतीय संस्कृति का आधार सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया व वसुधैव कुटुम्बकम की भावना रही है। भारतीयों के डीएनए में ही सर्व धर्म समभाव है। हमारी अनेक भाषाएं, बोलियां हो सकती हैं परंतु देश एक ही है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार देना ही नहीं होता है। शिक्षा हमारे मस्तिष्क को आलोकित भी करती है। यह हमें संस्कारवान व सामर्थ्यवान बनाती है। उन्होंने कहा कि मेडिकल का व्यवसाय बहुत ही पवित्र होता है। सदैव याद रखें कि मानव सेवा ही माधव सेवा होती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार ने नए भारत के निर्माण के लिए स्किल इंडिया, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन, मेक इन इंडिया, डिजीटल इंडिया कार्यक्रम प्रारम्भ किया हैं। युवाओं की इनमें महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रिफार्म, परफोर्म व ट्रांसफोर्म का मंत्र दिया है। गांवों से होने वाले पलायन को रोकने में पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे अब्दुल कलाम का ग्रामीण विकास का पुरा (प्रोवाईडिंग अरबन फेसिलिटीज इन रूरल एरिया) मॉडल सहायक हो सकता है।

राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने कहा कि वर्तमान युग, ज्ञान का युग है। विश्वविद्यालयों को ज्ञान का सृजन केंद्र बनना होगा। इसके लिए मौलिक व स्तरीय शोध को महत्व देना होगा। हमारे युवा जागरूक व दक्ष बनें, हमारी शिक्षा व्यवस्था युवाओं में प्रगतिशील सोच विकसित करे और उन्हें सृजनात्मक, आत्मविश्वासी व स्व–निर्भर बनाए। युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

राज्यपाल ने कहा कि जब हम अपनी ग्रेजुएशन कर रहे थे तो भारत की गिनती तृतीय विश्व के देशों में की जाती है परंतु आज भारत का विश्व में एक शक्तिशाली देश के तौर पर सम्मान है। देश का सुनहरा भविष्य युवाओं पर निर्भर करता है। पर्वतीय राज्य होने के कारण उत्तराखण्ड में अवसंरचना संबंधी कठिनाईयां हैं। पलायन सरकार के लिए चिंता का सबब है। राज्य सरकार ने पलायन को रोकने के लिए कई कदम भी उठाए हैं। जिसके परिणाम आने वाले समय में देखने को मिलेंगे। राज्यपाल ने स्वामीराम हिमालयन विश्वविद्यालय को 1200 से अधिक गांव गोद लेने पर बधाई दी।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में योग व आयुर्वेद की महान परम्परा रही है। इस विरासत का संरक्षण कर वैकल्पिक चिकित्सा, योग व आयुर्वेद में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। पूज्य स्वामी राम ने हमारी प्राचीन बुद्धिमत्ता को आधुनिक तकनीक से जोड़ा। जैसा कि प्रधानमंत्री जी कहते हैं हमारा लक्ष्य युवाओं को रोजगार ढूंढने वाले से रोजगार प्रदान करने वाले में परिवर्तीत करना है। इसके लिए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करते हुए स्किल डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देना होगा।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि अच्छी शिक्षा के साथ हमारी सोच भी सकारात्मक, रचनात्मक और आशा व विश्वास से भरी होनी चाहिए। स्वामी राम ने प्रदेश के एक छोटे से गॉव में जन्म लेकर अपनी प्रतिभा के बल पर अपने राज्य में इतने बड़े संस्थान को स्थापित किया, जो चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ सुविधा एवं तकनीकि दक्षता के क्षेत्र में प्रदेश की सेवा कर रहा है। उत्तर भारत के लोग भी यहॉ स्वास्थ्य लाभ ले रहे है, इस संस्थान में शिक्षा का बेहतर वातावरण होने से देश के विभिन्न राज्यों के छात्र यहॉ शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी राम अस्पताल में अपना उपचार कराने वाले अन्य प्रदेशों के लोग जब यहॉ की अच्छी व्यवस्थाओं का जिक्र करते है तो अच्छा लगता है इससे प्रदेश का भी मान बढ़ता है। उन्होंने युवा चिकित्सकों का आहवान किया कि वे मरीजों के साथ आत्मीयता का व्यवहार करे जिस जगह भी आप चिकित्सा सेवाये दे, वहॉ बीमारी के इलाज में मानवीय दृष्टिकोण जरूरी है, इससे डाक्टर की गरिमा व महिमा बढ़ जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रचानात्मक कार्यो के प्रति भी ध्यान देना होगा विशेषकर पूर्ण साक्षरता को हासिल करने में उच्च शिक्षित लोग बड़ा योगदान दे सकते है। 'एक पढ़े–एक पढ़ाये' की भावना से हम कार्य करे तो देश में कोई अशिक्षित नहीं रह सकता है। उन्होंने स्वामीराम विश्वविद्यालय की प्रशंसा की कि दीक्षांत समारोह में उनके द्वारा भारतीय परिधानों को अपनाने की शुरूआत की गई है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि तीन साल में उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सबसे आगे होगा। राज्य सरकार द्वारा टेलेंट सर्च के माध्यम से चयनित कर 100 छात्रों से निशुल्क शोध करवाया जाएगा। इसके साथ ही सभी जनपद मुख्यालयों में 20–20 छात्रों को चयनित कर आई.ए.एस, आईपीएस की परीक्षाओं के लिए कोचिंग दी जाएगी। इसके लिए 80 लाख रूपए की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश में स्थापित 31 विश्वविद्यालयों के लिए एक अम्ब्रेला एक्ट बनाया जाएगा। दीक्षांत समारोह के लिए भारतीय परिधान प्रयोग में लाये जायेगे जिसकी डिजाइन तैयार की गई है।

स्वामीराम हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों, गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि दीक्षांत समारोह में लगभग 400 छात्र–छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई ।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।